भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

भा.वा.अ.शि.प.
वानिकी समाचार

वर्ष 18 सं. 01 जनवरी 2026

आबादी एवं संरक्षण आनुवंशिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने दिनांक 28 से 30 जनवरी 2026 तक कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित "अंतरराष्ट्रीय आबादी एवं संरक्षण आनुवंशिकी सम्मेलन" की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय वन अनुसंधान संगठन संघ तथा एशिया प्रशांत वन आनुवंशिक संसाधन कार्यक्रम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। सम्मेलन में एशिया, अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, लैटिन अमेरिका एवं भारत से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कोयम्बटूर में "आबादी और संरक्षण आनुवंशिकी" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अनुक्रमणिका

पृष्ठ सं.

आबादी एवं संरक्षण आनुवंशिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	01
77वां गणतंत्र दिवस	01
राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के द्वितीय चरण का आयोजन	02
महत्वपूर्ण शोध निष्कर्ष	02
परामर्शी कार्य	03
कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/बैठकें	03
प्रशिक्षण कार्यक्रम	04
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	07
प्रदर्शनी में प्रतिभागिता	10
मिशन लाईफ	10
प्रकृति कार्यक्रम	11
राजभाषा गतिविधि	12
समझौता ज्ञापन	13
मानव संसाधन समाचार	13
प्रकाशन	14

77वां गणतंत्र दिवस

- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद मुख्यालय, इसके संस्थानों एवं केंद्रों में 26 जनवरी 2026 को 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

भा.वा.अ.शि.प.(मु.)

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

राष्ट्रीय गीत “वंदे मातरम” के द्वितीय चरण का आयोजन

- भा.वा.अ.शि.प., इसके संस्थानों एवं केंद्रों द्वारा दिनांक 19 से 26 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय गीत ”वंदे मातरम“ की 150वीं वर्षगांठ पर द्वितीय चरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से ”वंदे मातरम“ गायन किया गया तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

महत्वपूर्ण शोध निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प.:वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- *ट्रिलियम गोवनियनम* टाइप-I राइज़ोम अर्क का LC-QTOF-MS/MS (ESI^-) तकनीक का उपयोग करके परिक्षण किया गया। यौगिकों की पहचान उनके m/z मानों, प्रेक्षित $[M–H]^-$, $[M+HCOO]^-$ तथा $[M+CH_3COO]^-$आयनों और उनके विशिष्ट MS/MS विखंडन प्रतिरूपों के आधार पर की गई। इस पद्धति के माध्यम से सटीक द्रव्यमान मापन, एडडक्ट निर्माण तथा विशिष्ट खंड आयनों के अधार पर साइनारासैपोनिन, एटेनोलोल, ग्रेकुनिन E, ओफियोपोगोनिन सी, डोइसिनोएस्ट्रोल, लॉरिल हाइड्रोजन सल्फेट, और ज़िज़ीबेओसाइड II की पहचान संभव हुई। विशेष रूप से ग्रेकुनिन ई में m/z 899.4643 पर $[M–Rham]^-$ आयन पाया गया, जिजीबियोसाइट II में m/z 383.1272 ($[M–Glc–CH_2OH]^-$) तथा 415.9675 ($[M–Glc]^-$) पर फ्रैगमेंट आयन दर्ज किए गए, जबकि ओफियोपोगोनिन सी, में m/z 575.3526 पर $[M–H–Rham]^-$ आयन दर्ज किए गए।

- उत्तराखंड के भरसार (30°03′36.9″उ., 78°59′52.6″पू.; 2001 मी.) तथा तालुका (31°04′45.48″उ., 78°15′14.63″पू.; 2209 मी.) वन क्षेत्रो से एकत्रित *कोरिलस जैक्वेमोंटी* डेक्ने (हेज़लनट) के बीजों से वसायुक्त तेल का निष्कर्षण सोक्सलेट एक्सट्रैक्शन विधि द्वारा किया गया, जिससे क्रमशः 59.5 ± 0.41% (w/w) और 72.16 ± 0.23% (w/w) उपज प्राप्त हुई। संबंधित फैटी एसिड मिथाइल एस्टर (FAMEs) के GC–MS विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि ओलिक एसिड मिथाइल एस्टर प्रमुख घटक है (भरसार में 73.26: और तालुका में 65.28%)। इसके बाद लिनोलिक अम्ल मिथाइल एस्टर (18.34% और 25.07%) तथा पामिटिक एसिड मिथाइल एस्टर (8.40% और 9.64%) हैं। इन परिणाम से ज्ञात हुआ कि फैटी एसिड की संरचना में स्थान के अनुसार मामूली अंतर विद्यमान हैं।

परामर्शी कार्य

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

- मध्य प्रदेश के जोहिला क्षेत्र में स्थित साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की विंध्य भूमिगत खदान के वृक्षारोपण परियोजना का तृतीय–पक्ष ऑडिट संपन्न किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- मणिपुर राज्य में *मेलिना आर्बोरिया, शिमा वॉलाची, मिशेलिया चंपाका* और *फोएबे हेनेसियाना* के लिए आयतन समीकरण, आयतन–जैवभार एवं कार्बन सारणियों का विकास किया गया।

- कोल इंडिया लिमिटेड की पूर्वोत्तर कोलफील्ड्स की टिराप ओपन कास्ट परियोजना (Tirap OCP) के वन विचलन प्रस्ताव हेतु असम के माकुम कोलफील्ड के लिए संशोधित क्षेत्रीय वन्यजीव योजना, जैव विविधता प्रबंधन योजना तथा वहन क्षमता अध्ययन की तैयारी की गई।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- काष्ठ के नमूनों (15) की पहचान हेतु परीक्षण, काष्ठ के नमूनों (02) में तेल की मात्रा परीक्षण, यांत्रिक गुण/ धर्म परीक्षण (19), घनत्व परीक्षण (19) तथा नमी परीक्षण (11) से संबंधित परीक्षण रिपोर्टें संबंधित विभाग/पक्षों को प्रेषित की गईं।

कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/बैठकें

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
01	सीनीय वनस्पति एवं जीव–जंतुओं के लिए जैव–विविधता उद्यानों की योजना एवं विकास विषय पर संगोष्ठी	16 जनवरी 2026	भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों एवं छात्रों सहित कुल 67 प्रतिभागी
02	पारितंत्र एवं पारिस्थितिकीय मॉडलिंग: अवधारणाएँ, उपकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुप्रयोग विषय पर संगोष्ठी	28 जनवरी 2026	भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों एवं छात्रों सहित कुल 80 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची			
03	“कृषि–वानिकी एवं वन क्षेत्र के बाहर के वृक्ष“	15 जनवरी 2026	किसानों, गैर–सरकारी संगठनों तथा सरकारी अधिकारियों सहित कुल 55 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
04	बीज परिपक्वता एवं व्यवहार्यता आकलन“	16 जनवरी 2026	मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के राज्य वन विभाग से कुल 26 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची में “कृषि वानिकी एवं वन के बाहर के वृक्ष” विषय पर संगोष्ठी

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर में “बीज परिपक्वता एवं व्यवहार्यता आकलन” विषय पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
05	मृदा कार्बनिक कार्बन एवं भूमि क्षरण तटस्थता के अंतर्संबंध“ विषय पर संगोष्ठी	30 जनवरी 2026	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों एवं शोधकर्ताओं सहित कुल 35 प्रतिभागी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्			
01	औषधीय पौधों एवं उनके कच्चे माल की मांग एवं आपूर्ति के आकलन हेतु विस्तृत अध्ययन–सह–सर्वेक्षण	08 से 09 जनवरी 2026	भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थानों के वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों सहित कुल 18 प्रतिभागी
02	सतत् भूमि–प्रबंधन हेतु एकीकृत मृदा एवं जल संरक्षण रणनीतियाँ	12 से 16 जनवरी 2026	भा.कृ.अ.नु.प.–भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून से कुल 25 प्रतिभागी

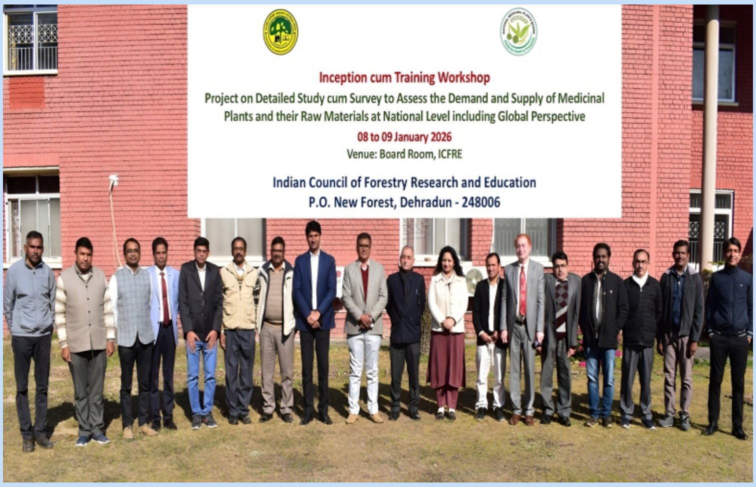

औषधीय पौधों एवं उनके कच्चे माल की मांग एवं आपूर्ति के आकलन हेतु विस्तृत अध्ययन सह सर्वेक्षण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

सतत भूमि–प्रबंधन हेतु समेकित मृदा एवं जल संरक्षण रणनीतियाँ विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

03	"हिमालय के शुष्क–भूमि पारितंत्र के प्रबंधन हेतु जलवायु अनुकूल कृषि"	12 से 16 जनवरी 2026	गो.ब.पं.रा.हि.प.सं.–हि.प्र.क्षे.कें., हिमाचल प्रदेश से कुल 24 प्रतिभागी
04	"भू–दृश्य संरक्षण हेतु एकीकृत दृष्टिकोण: भूमि क्षरण तटस्थता की प्राप्ति"	19 जनवरी 2026	14 देशों के कुल 15 प्रतिभागी

हिमालय के शुष्कभूमि तंत्र के प्रबंधन के लिए "जलवायु–अनुकुल कृषि" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"भू–दृश्य संरक्षण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण भूमि क्षरण तटस्थता प्राप्त करना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

05	भंगुर मरुस्थलीय पारितंत्र के सतत विकास हेतु एकीकृत दृष्टिकोण	12 से 16 जनवरी 2026	विभिन्न राज्य वन विभागों के कुल 15 भा.व.से. अधिकारी

भंगुर मरुस्थलीय पारितंत्रों के सतत विकास हेतु एकीकृत दृष्टिकोण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

	भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
06	बाँस	07 से 09 जनवरी 2026	त्रिपुरा के विभिन्न सरकारी विभागों के कुल 30 प्रतिभागी
07	अनुसंधान पद्धति, अनुसंधान लेखन और अनुसंधान प्रबंधन”	27 से 31 जनवरी 2026	भा.वा.अ.शि.प. के विभिन्न संस्थानों से कुल 20 प्रतिभागी

“बांस” विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

“अनुसंधान पद्धति, अनुसंधान लेखन एवं अनुसंधान प्रबंधन” विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

	भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर		
08	प्लस ट्री चयन और वन विस्तार–कलन	19 से 20 जनवरी 2026	भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर के सभी कर्मचारी
	भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
09	”प्लाइवुड, ब्लॉक बोर्ड और फ्लश डोर का परीक्षण“	12 से 16 जनवरी 2026	छात्रों और उद्योग कर्मियों सहित कुल 09 प्रतिभागी

10	आई–स्टेम पोर्टल का संचालन	13 जनवरी 2026	भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों सहित कुल 27 प्रतिभागी

जागरूता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- हल्द्वानी विश्वविद्यालय, उत्तराखंड और मैसूर के हॉर्टिकल्चर कॉलेज के 87 प्रतिभागियों ने दिनांक 05 और 07 जनवरी 2026 को भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग के पादप कार्यिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा अकाष्ठ वन उत्पाद संग्रहालय का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- पूर्णायु आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, माता गुजरी महिला कॉलेज, गुरु रामदास खालसा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के 197 छात्रों ने दिनांक 21, 22 और 27 जनवरी 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। इस दौरान विभिन्न विभागीय गतिविधियों का प्रदर्शन, कीट पालन कार्य और पादप ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला का दौरा भी आयोजित किया गया।

पूर्णायु आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, जबलपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांच

- केंद्रीय रेशम बोर्ड के तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के 31 वैज्ञानिकों ने दिनांक 05 जनवरी 2025 को भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची के तकनीकी प्रदर्शन केंद्र, बांस वाटिका, मैन्ग्रोव जननद्रव्य संग्रह और संस्थान की पौधशाला का दौरा किया।

केंद्रीय रेशम बोर्ड, केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची के वैज्ञानिकों ने भा.वा.अ.शि.प–व.उ.सं., रांची का दौरा किया।

- झारखंड के 74 किसानों ने दिनांक 28 जनवरी 2026 को संस्थान के बांस वाटिका, तकनीकी प्रदर्शन केंद्र और पौधशाला का दौरा किया। इस दौरान उन्हें फ्लेमिंजिया प्रजातियों पर लाख पालन और बॉस एवं औषधीय पौधों की खेती से आय सृजन के बारे में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- कृषि भूमि उपयोग नियोजन के लिए सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग करके मृदा संसाधन सूचना में प्रगति" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 30 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भाकृ अनुप–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, क्षेत्रीय केंद्र, जोरहाट से 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

"कृषि भूमि उपयोग नियोजन हेतु सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग करके मृदा संसाधन सूचना में प्रगति" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला द्वारा दिनांक 23 जनवरी 2026 को "बाँस आधारित पवनरोधी मॉडल रोपण, वीपीआई तकनीक द्वारा बाँस उपचार, जैव–कोयला उत्पादन हेतु अल्प लागत वाली डबल–बैरल पायरोलिसिस प्रणाली, अल्प लागत वाली कृमि खाद तथा *डेंड्रोकैलमस जाइगैंटियस* के कल्म कटिंग के माध्यम से कायिक प्रवंर्धन" विषय पर एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के बाँस अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, चिंचपल्ली से 13 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

बांस आधारित पवनरोधी मॉडल वृक्षारोपण पर प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान,

- दिनांक 07 एवं 08 जनवरी 2026 को भारत माता कॉलेज, थिरिक्कारा (कोचीन), हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर तथा पटकर–वर्दे कॉलेज, मुंबई के 79 छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर के जैव– पूर्वेक्षण प्रभाग, कायिक बहु गुणन उद्यान तथा हर्बेरियम का शैक्षणिक भ्रमण किया।

भारत माता कॉलेज, कोयंबटूर के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- दिनांक 20 जनवरी 2026 को राजस्थान के बीछवाल, बीकानेर स्थित वन पौधशाला में "कीट रोगजनक कवक के माध्यम से दीमक का जैविक नियंत्रण तथा केर (*कैपैरिस डेसिडुआ*) के सफल रोपण हेतु पौधशाला से रोपण स्थल तक स्थापना तकनीकें" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तरगढ़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर एवं बज्जू से 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भूमिगत दीमकों के जैविक नियंत्रण हेतु कीट रोगजनक कवक का अंतर:पादप के रूप में उपयोग करने की जानकारी दी गई तथा वन वृक्षों के नवोद्भिदों एवं वृक्षारोपण की सुरक्षा के लिए पर्यावरण– अनुकूल एवं सतत रणनीतियों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

- दिनांक 06 जनवरी 2026 को उत्तराखंड वन प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी (उत्तराखंड) तथा वन प्रशिक्षण संस्थान, जोधपुर के 84 वन राजिक अधिकारियों (एफआरओ) ने भा.वा.अ.शि.प.,–शु.व.अ.सं. जोधपुर के व्याख्यान केंद्र, शीशम कृंतक के वीएमजी, नीम पत्ती खाद इकाई तथा थार शोभा खेजड़ी परीक्षण क्षेत्र का दौरा किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को केंद्र की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

उत्तराखंड वन प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी (उत्तराखंड) तथा वन प्रशिक्षण संस्थान, जोधपुर के वन राजिक अधिकारी ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

- दिनांक 20 जनवरी 2026 को राजकीय विक्टोरिया कॉलेज, पालक्काड (केरल) के 40 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्यान केंद्र, शीशम कृंतक के वीएमजी, नीम पत्ती खाद इकाई तथा थार शोभा खेजड़ी परीक्षण क्षेत्र का शैक्षणिक भ्रमण किया।

राजकीय विक्टोरिया कॉलेज, पलक्कड़ (केरल) के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- दिनांक 02, 05, 08, 13 एवं 29 जनवरी 2026 को डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी (सोलन), मंडी एवं हरिमपुर, हिमाचल प्रदेश तथा निट्टे स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड इंटीरियर डिजाइन, येलहंका, बेंगलुरु के कुल 189 प्रतिभागियों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के काष्ठ विकास केंद्र, उन्नत काष्ठ कर्म प्रशिक्षण केंद्र, ज़ाइलैरियम तथा काष्ठ संग्राहलय का शैक्षणिक भ्रमण किया।

निट्टे स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड इंटीरियर डिज़ाइन, बेंगलुरु के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया।

- दिनांक 13 जनवरी 2026 को कुंडल वन अकादमी, कुंडल (महाराष्ट्र) के 41 वन राजिक अधिकारियों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के काष्ठ विकास केंद्र, उन्नत काष्ठ कर्म प्रशिक्षण केंद्र, ज़ाइलैरियम तथा काष्ठ संग्राहलय का शैक्षणिक भ्रमण किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 30 जनवरी 2026 को तेलंगाना राज्य वन अकादमी, हैदराबाद के 73 वन बीट अधिकारियों हेतु एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को केंद्र की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रदर्शनी में सहभागिता

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 19 से 21 जनवरी 2026 तक असम विज्ञान सोसाइटी, जोरहाट द्वारा बारभेटा, जेल रोड, जोरहाट में आयोजित "विज्ञान उत्सव" में भाग लेकर अपनी तकनीकियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,जोरहाट ने जोरहाट के बारभेटा, जेल रोड में आयोजित "विज्ञान उत्सव" में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं, बेंगलुरु ने कोलकाता में आयोजित "डॉ. बी.डी. नाग विज्ञान मेला एवं प्रदर्शनी" में भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 09 से 10 जनवरी 2026 तक असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट परिसर में आयोजित "मेगा किसान मेला" में भाग लेकर अपनी तकनीकियों एवं विकासात्मक गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट में आयोजित "मेगा किसान मेला" में भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.,फील्ड स्टेशन ने दिनांक 01 से 03 तथा 16 से 18 जनवरी 2026 तक कोलकाता में आयोजित "डॉ. आचार्य प्रफुल्ल चंद्र विज्ञान प्रदर्शनी" एवं "डॉ. बी. डी. नाग विज्ञान मेला एवं प्रदर्शनी" में भाग लेकर तकनीकियों का प्रदर्शन किया।

मिशन लाईफ

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदाराबाद द्वारा दिनांक 12, 20 एवं 22 जनवरी 2026 को मैसम्मागुड़ा, हैदराबाद तथा मल्ला रेड्डी कॉलेज, हैदराबाद में "एकल उपयोग प्लास्टिक को ना कहें" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मैसम्मागुड़ा के आसपास के क्षेत्र तथा मल्ला रेड्डी कॉलेज, हैदराबाद से लगभग 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने मैसम्मागुडा के आसपास के क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

- भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापट्टनम द्वारा दिनांक 06, 07 एवं 20 जनवरी 2025 को आंध्र विश्वविद्यालय, हैदराबाद में "ऊर्जा बचाएं, जल बचाएं एवं एकल उपयोग प्लास्टिक में अपचयन" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापट्टनम ने आंध्र विश्वविद्यालय, हैदराबाद में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 17 जनवरी 2026 को दिल्ली पब्लिक स्कूल, देहरादून में पौधशाला विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया तथा उन्हें पौधों के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण के विषय में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प–व.अ.सं., देहरादून ने देहरादून के दिल्ली पब्लिक स्कूल में "पौधशाला विकास" कार्यक्रम का आयोजन किया।

- दिनांक 24 जनवरी 2026 को श्री गुरु राम राय स्कूल, देहरादून के 180 छात्रों एवं शिक्षक भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का शैक्षिक भ्रमण करने आए। उन्हें संस्थान में संचालित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा दिनांक 09 से 23 जनवरी 2026 तक परिहारों की ढाणी, खातावास एवं पाबूपुरा, जोधपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 25 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण पर प्रदर्शन, बीज परीक्षण, बीज भंडारण, नाशी कीट प्रबंधन, मृदा परीक्षण, पौधशाला प्रबंधन, पॉलीहाउस तथा वानिकी में उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रयोगशाला तकनीकों का प्रदर्शन भी किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर ने राजकीयउच्च माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- दिनांक 22 जनवरी 2026 को सैफायर स्कूल, रांची के 45 छात्रों एवं शिक्षकों ने भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची के तकनीकी प्रदर्शन केंद्र का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्हें पर्यावरण एवं वानिकी से संबंधित चुनौतियों के समाधान हेतु संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी भी दी गई।

सैफायर ग्लोबल स्कूल, रांची के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प–व.उ.सं., रांची का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- दिनांक 16 जनवरी 2026 को "वन संकटस्थ बागान में उच्च गुणवक वाले पौध उत्पादन का प्रत्यक्ष प्रदर्शन" विषय पर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वश्री राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, पाटन (म.प्र.) के 170 छात्रों ने भाग लिया।

- दिनांक 21 जनवरी 2026 को सर्वश्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेलखाडू, जबलपुर के 85 छात्रों एवं शिक्षक ने भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

सवश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बेलखडू के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 22 जनवरी 2026 को तेलंगाना के बहुदुरपल्ली स्थित जिला परिषद उच्च विद्यालय में पौधशाला विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 40 छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने तेलंगाना के बहुदुरपल्ली स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में "पौधशाला विकास" कार्यक्रम आयोजित किया।

राजभाषा गतिविधियां

- दिनांक 27 जनवरी 2026 को भा.वा.अ.शि.प–वन जैव विविधता संस्थान, हैदाराबाद में 'विज्ञान पत्रकारिता' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई, इस दौरान कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदाराबाद से कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद में "विज्ञान पत्रकारिता" पर कार्यशाला का आयोजन

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) ने दिनांक 12 जनवरी 2026 को फोर्शुंग्सज़ेंट्रम नाखबेर्गबाउ–डीएमटी गेसेलशाफ्ट फ़्यूर लेहरे एंड बिल्डुंग एमबीएच, जर्मनी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने दिनांक 05 जनवरी 2026 को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.) के साथ वानिकी विषय में अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार गतिविधियों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर एवं महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.) के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने दिनांक 19 जनवरी 2026 को सर्वश्री एशियन पेंट्स लिमिटेड, मुंबई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के अंतर्गत एशियन पेंट्स लिमिटेड द्वारा विकसित चार काष्ठ संरक्षक/कोटिंग सामग्रियों की दीमक–प्रतिरोधक क्षमता के मूल्यांकन हेतु परीक्षण सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने दिनांक 27 जनवरी 2026 को मुंगेर विश्वविद्यालय, बिहार तथा रबर अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम के साथ वैज्ञानिक सहयोग को सुदृढ़ करने, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने तथा हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और बिहार में रूसी डैंडेलियन (*टारैक्सैकुमकोक–साघिज़*) एवं ग्वायुल (*पार्थेनियम अर्जेंटेटम*) जैसी फसलों की खेती की व्यवहार्यता का आकलन करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला, मुंगेर विश्वविद्यालय, बिहार तथा भारतीय रबर अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. राजीब कुमार बोरा, वैज्ञानिक–जी, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट	31.01.2026
श्री नरेंद्र कुमार श्रृंगी, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प.(मुख्यालय)	31.01.2026
श्री अजय अग्रवाल, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	31.01.2026

सप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री विनय कुमार भा.व.से., (टीजी:1992) उप महानिदेशक (प्रशासन), भा.वा.अ.शि.प.(मुख्यालय)	16.01.2026
श्री ई. वेंकट रेड्डी, भा.व.से., (एजीएमयूटी:2000), वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद	14.01.2026

प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्रीमती अंशु यादव, भा.व.से.(डब्ल्यूबी:2013), उप वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	01.01.2026

प्रकाशन

शोध पत्र:

- भंडारी, एम. एस., एवं सिंह, एच. (2026). उच्च गुणवक वाले रोपण सामग्री (फच्डे) के माध्यम से वन एवं वृक्ष आच्छादन में वृद्धिः कार्बन तटस्थता और भविष्य हेतु सततता प्राप्ति का मार्ग। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब. । स्प्रिंगर, 83–111.

- चौहान, वी., सिंह, आर., चमोली, ए., सिंह, ए. के., पूजा, चांद, टी., और सिंह, एच. (2026). क्लामेट–स्मार्ट फॉरेस्ट्रीः लचीलापन एवं सततता हेतु रणनीतियाँ। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब.। स्प्रिंगर, 133–154.

- हाकोबयान, एन., सिंह, एच., कुमार, एम., कुमार, पी., अब्राहमयान, ए., टॉमसयान, एस., और सिंह, आर. के. (2026). आर्मेनिया में स्थलीय कार्बन आकलनः कार्बन चक्र एवं आकलन विधियों पर अंतर्दृष्टि। इन एडवांस्ड जिओस्पाटिल एंड ग्राउंड बेस्ड टेक्निकस इन फॉरेस्ट्री मॉनिटारिंग.। एल्सेवियर, 169–188.

- कुमार, पी., सिंह, एच., कुमार, एम., हाकोबयान, एन., श्रीवास्तव, एम., और सिंह, आर. के. (2026). ट्री क्राउन मॉर्फोलॉजी और डाइमेंशन के आधार पर वन क्षेत्र का वर्गीकरण। इन एडवांस्ड जिओस्पाटिल एंड ग्राउंड बेस्ड टेक्निकस इन फॉरेस्ट्री मॉनिटारिंग. एल्सेवियर, 133–149.

- मलिक, ए., और सिंह, एच. (2026). शहरी हरित क्षेत्र एवं ब्लू–ग्रीन अवसंरचनाः कार्बन तटस्थता एवं सतत शहरों के निर्माण की दिशा के मार्ग। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब. स्प्रिंगर, 433–452.

- मिश्रा, जी., सिंह, के., शाह, एस., सिंह, एम., और सिंह, एच. (2026). वानिकी के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब. स्प्रिंगर, 273–297.

- सिंह, ए. के., ठाकुर, आर., ठाकुर, एस., ठाकुर, एच., देवांगन, एस., सिंह, आर., सिंह, एच., और चौहान, वी. (2026). जलवायु संकट एवं सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति में वानिकी का योगदान। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब.स्प्रिंगर, 27–52.

- सिंह, बी. के., शशिधर, के. एस., श्रीवास्तव, ए., कुमार, ए., साहू, एस., यादव, एस., पूजा, और सिंह, एच. (2026). ''ग्रीन बेल्ट विकासः सतत एवं कार्बन–तटस्थ भविष्य की दिशा हेतु एक प्रमुख मार्ग। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब.। स्प्रिंगर, 317–344.

- सिंह, एच., शाह, एस., गिरी, के., पाल, आर., और रॉय, टी. (2026). कार्बन न्यूट्रैलिटी एवं पर्यावरणीय स्थिरताः अवधारणा एवं महत्व। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब.स्प्रिंगर, 1–25.

- सिंह, एम., मिश्रा, जी., और सिंह, एच. (2026). कार्बन न्यूट्रैलिटी के लिए पॉलिसी फ्रेमवर्क और वैि वक पहल। इन फॉरेस्ट्री फॉर अ कॉर्बन न्युट्रल एंड सस्टेनेबल फ्यूचरः अ सांटिफिक पर्सपेक्टिब. स्प्रिंगर, 203–231.

- त्रिपाठी, ए., भारती, एच. और सिंह, ए. पी. (2026). भारत से डोलिचोडेरस टैप्रोबेने स्मिथ, एफ., 1858 (फॉर्मिसिडेः डोलिचोडेरिने) के एक अंतर्जातीय की पहली रिपोर्ट। इन प्रोसिडिंग्स ऑफ द जूलॉजिकल सोसाइटी. स्प्रिंगर इंडिया, 1–5.

- यादव, आर., पांडेय, एस., चंद, टी., एवं नौटियाल, आर. (2026). हिमालयी क्षेत्र में मृदा अपरदन रोकथाम सेवा का परिदृश्य–आधारित मूल्यांकन। इकोसिस्टम सर्विसेज़, 77, 101810. फैक्टर– 6.6

- रे, एस., कुमार, आर., मिथिला, एन. एस., एवं शुक्ला, एस. आर. रोपण काश्ठ में कवकीय एवं दीमक के नुकसान विरुद्ध प्रभावी जैव–संरक्षक एजेंट के रूप में रक्त चंदन की छाल के अर्क। RSC सस्टेनेबिलिटी, 4(1), 551–565.

- मनोहरा, टी. एन., बालकृष्ण, एस. एम., एवं सुरेश,

एच. एस. (2026). प्रायद्वीपीय भारत में डालबर्गिया लैटिफोलिया रॉक्सब की आबादी संरचना एवं पुनर्जनन गतिकी: संरक्षण हेतु निहितार्थ। जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल फॉरेस्ट साइंस 38(1): 87–103.

- चक्रवर्ती, एस., चंद्रशेखर, बी. एस., मंजूनाथा, एल., अरुणकुमार, सी. एम., रवि, एन., मलाकर, ए., एवं सिन्हा, ए. (2025). ''बीज भिगोने के जल तथा गोबर–गोमूत्र मिश्रण का भारतीय चंदन (सैंटालम एल्बम एल.) के बीज अंकुरण एवं प्रारंभिक पौध वृद्धि पर प्रभाव।'' इंडियन फॉरेस्टर, 151(12):1140–1146.

संरक्षक:

श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.व.से. भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

हिन्दी संस्करण:

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

सहायक:

श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।